

DPN 6352

Title : फुफाः मन्त्र सफु / PHUPHĀH MANTRA SAPHU

Run. No. 7043

Cat. No.

Micro. No.

Subject Tantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 18 x 8

Folios 14 Lines (in a page) 6

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

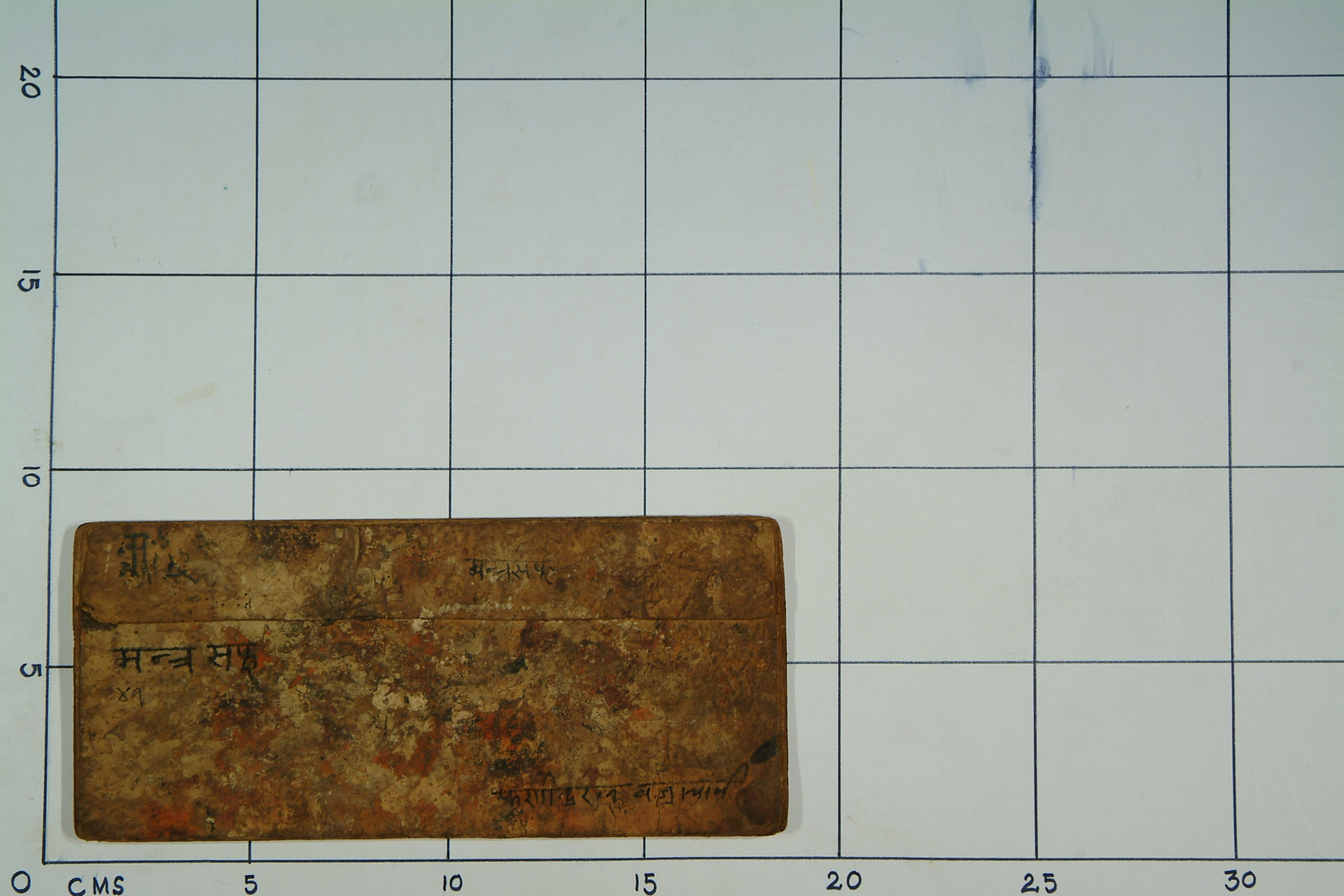
Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

घलि घलाय हूँ फद् स्वाहा ॥ धा ७ कपास्याकया पुत्र ॥



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

मन्त्र

मन्त्रसफ

मन्त्र सफ

४१

मन्त्रसफ

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ गुरु भाग्यादु मा व निस्वा हा ॥ धार धावा सया धुरकया
वः मिसा यास्त सवा के ॥ मिसा पि कय जुरे ॥ अम् ॥ ॥ ॥

ॐ स्वामि सघल उपलः गुरुदल मुय गौ गै कै वो श्री म आ ग्या ॥ धाल प धा ॥
मिसा याना म कया व वि थं न नियः मिसा वो ने जुरे ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ न म फल फल ना पल मे सो रिः अनिसिल व वा व अड कम जरि के ई सो
रि कि वा या ॥ धाः ॥ सिं धर सं म या ना वः मिसा ति केः व से जुरे ॥ ॥

ॐ श्री स धुर सो माम्नी ॥ थो जं व भु ज य ज स गौ गो यंः कुं कु म ॥ अणा वा या हि नं ये से
हानि स ह्या डान से ॥ मिसा वे से या य जुरे ॥ अम् ॥ ॥ ॥

ॐ मु दि कुं कल त्वा हा ॥ धा भू लं धा र्से मिः सा या ना म कया मंत्र या ना व थं म न तो ने ॥
ॐ हुं हुं हुं आ गं हा आ गं हा हुं जं ॥ धाल १०८ थो मंत्र मिसा या का पो ल क या व
मंत्र या ना वः मिसा दु यः थो स्व मिसा अ थ व क्षे अ व से व र्द त्वा ॥ ॥ अम्

मिसा व र्द त्वा ॥

३ श्रीपुरुहं वं पोमेदे विसाला॥ धा २८॥ थो मुं या गव आका ससं मुं या ना वं योः धालाः
या गय केः सेले पि या गय के॥ अम॥

१ श्रीजं सवे रि माताः पृथि माता गुं गुं स्नाहा॥ धा २९॥ अनलिका पोल गे ला वि न व
गृहिक यिकान यिय गु या वल ७॥ आ पा ति या व पि या स त या व गान तो क पु या व न
ले फला व के नेः व पु न ह रि वः॥ श्री मां मुं का क या स्नाहाः धा ३०॥ लि क य नु मे॥ अम॥

४ अं न मो मा हा मे र वा य वि गि ति कं फं त स्या हा॥ धा ३१॥ गो व स मंत्र पर पा त
५ न के

१ श्रीकु वा आ ना वा धे स्नाहा॥ धा ३२॥ थो मुं न थि या न उ द्द य ल सः थ व स्ना ला सः
स्ना न पु या वः थि यो के नेः उ द्द म थु॥

२ श्रीकामे स्वरि कारु दे वि व स कर य न व ना मा दू के भा ग्या॥ पु ल मं उः दू स्वर
वा या॥ धा ३३॥ थ व म व न ह य ला ह न जो ना व मं उ वी नेः मि सा व सः॥

३ श्रीहन्ताः॥

दि फु न पा

五

卷

五十五

五十二

कि प्रवास

धनको उभिं जावा कपा एक ॥ सुख वैधा ॥ नव मोय

१ धुपमलिस्नानतोरा ॥ — १ ॥

कपूरतोरा ॥ — १ ॥

लिनहायतोरा ॥ — १ ॥

गुग्गुलुतोरा ॥ — १ ॥

मातुमासतोरा ॥ — १ ॥

ईकोतोरा ॥ — १ ॥

१ भस्मधुपदयके ॥

सायालः हृद्भक्तियायि ॥

भुनकेसरिः आसादुरि ॥

ईलकाः पुका ॥

सिंहायः जंधकः ॥

थेनेसमभागयानाव ॥

दयके ॥ देवः भुनः दा ॥

दिनिः सादिनिवोक ॥

पति
गो लं सायाहाः गान

ॐ वां विं यो सं ॥ धेये या जय

ॐ जां जिं यो सं ॥ दृहस्पति

ॐ जां विं यो सं ॥ सूरपात्रय

समरवर प्रस्वालाः सानि

ॐ जां जिं यो सं ॥ रुया जय

१ पकोतोरा ॥ — १ ॥

साधिलतोरा ॥ — १ ॥

दुलसितोरा ॥ — १ ॥

सिः थेनेन दुषविवथा ॥

सः थनेः विते वनिव ॥

ॐ जां जिं यो सं ॥ केनुमाजय

ॐ जां जिं यो सं ॥ ममसेरभासा

सपमजयः ॥ उक्ताय जय ॥

ॐ जां जिं यो सं ॥

धुरिस्नभागयानाव दिविषा

नके जुरे ॥

१॥ वज्रकारि करली फलपि सांवासः ह्यदिबले हं फलस्वाहा ॥ धा ॥ १॥ जाकिः
जपावहोरेः संयजपावतो नैकेः प्रयामत्रं ॥ कुलो ॥

ॐ वायिनामहो ह्यदिबले हं फलस्वाहा ॥ धा ॥ ३॥ प्वाथस्याकपुयः सं ॥ कुलो ॥ ५॥
ॐ हिरिदिरियस्वाहा ॥ धा ॥ ३०॥ थवरारुतसंस्थानपुयावमावमायः वा ॥ धा ॥ ३॥
श्रीमापुन्यमेरिस्वाहा ॥ २१॥ धा ॥ पुनसमंत्रया नावः पतासिगुनिफेने ॥

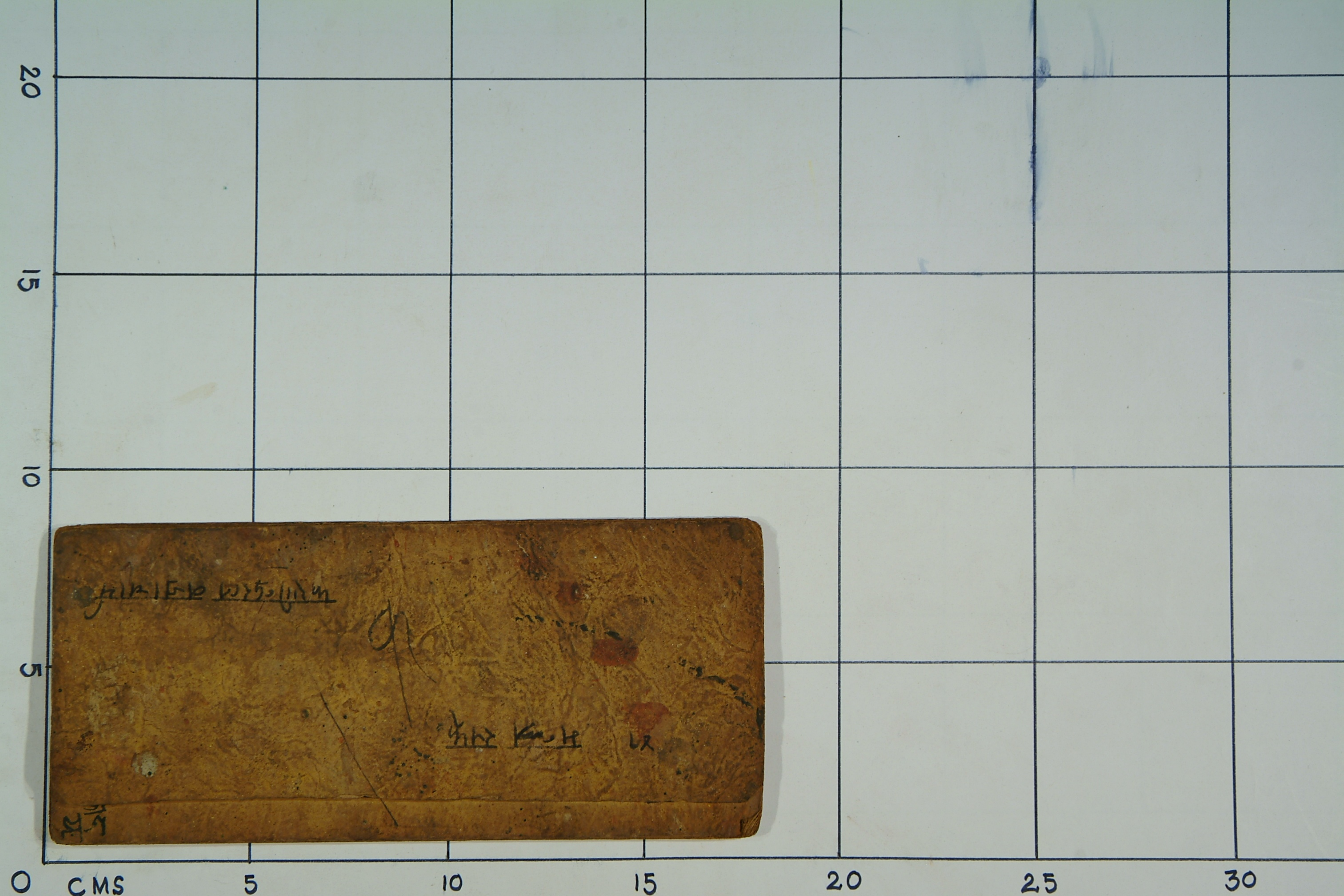
ॐ नमोरेसोरेसोकाहिलिकंवरुफुकोकेसतेमेरिसतेह्योरापावतीमाहा
ईस्वरकोवाया ॥ धा ॥ १॥ विकनसंस्थानपुयावहोरे ॥ कपारंजिव ॥

१ गुरुभागा ॥ ॐ नमोरेसोरेसोकाहिलिकंवरुफुकोकेसतेमेरिसतेह्योरापावतीमाहा
कायावथो मंत्रयानावः थाथिनकयकेः मिसावसे कुलो ॥ ५॥

ॐ ह्यदेतोमादेस्वाहा ॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥ धा ॥ १॥
थो मंत्रवोनावरिसोसावर्षीपनेतत्वाक ह्ययः थवनरं ॥ ॥

१ जं धरतिमाहः आकासमाहः पामाहः सिंधुमाहः रोहिमाहः समुद्र
माहः गुरिहः हिमाहः गुरुकिसकतिः मेरिभगतिमुप्राधा ५ थोमं
वकोनवजुषः दुपामयमदु॥ नार॥ ४॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥
जपावहोरेः नार॥ ॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥
धा ३॥ हिदियः ३॥ कामरुकाभायादेविः नवनाथमासिनिवाके ३॥
दिकसिलसिपावति ३॥ श्रीहिहू ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

वसाजपावनकेमेवनं वसेयायमपु निश्चयवाके॥ ॥ ३॥ ३॥
तत्तपुनजो जयकरयोहीहीस्वाहा॥ धा १० सुपकेसस्यथाथाना
वः मोरसहुयः हसपलामहेतलेः लिख्यमदु वायियागनुवनेः
१३ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥
त्रिरिं श्रीनरसिंधविरविरकिहुहयिप्रलमवंदस्वरकावाया॥ धा ११
पुनयाः वोसिया फादययाय॥ ॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥



॥ १५१० ॥ १५१० ॥

॥ १५१० ॥ १५१० ॥

॥ १५१० ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ महेश्वर पारद स्वर्णिगैरापारित सतपुलौ श्रीगणेश के आग्य प्रलो
मं चर्द स्वर्ज वाचा ॥ बालपू कोयायः सिंह जपावमि सायात तित के
हिन जपावः लासवा लावन के धमुद्या सासवा लावन के ॥ मिजन
नकला सा मि सावसेः मिसान कला सा मिजन वसे ॥ ॐ ऊँ ऊँ
आगंछा आगंछा हाँ जाँ ॥ धा १० ॥ मि साया का पल कया वमि सडुय
थोम मि सा थ वक्षे अवस्थं वई व ॥ ॥

असुर मातायाः असुर कालिदेविः असुर वल्लाय निहे हुँ पूतः ॥ स्था हा ॥
नपयंजिवः बालपू कोयायंजिवः नसा वसु ससेला वन के निव वसे
मं विगवायु कोपंदुः हसियेला वं जिता वयकाः मि सा वसेः लासवान
उयः धा ७ ॥ ॐ माते हो मनू ये मुर्ति जिता वस्य वयका ॥ मि सायात
विकन ह्या केः वसे ॥ ॐ नमो सार सारि महा सारि ॥ उय कन वसे
हरनः सर्व पाप हरयं स्वा हाः धा वः विसलं संतया वमं वया न वतान के

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ उँरेदिसाधितात राआर्दः हहाकरोकरआर्दः चनंतरेशुरे
 दत्तआर्दः प्रकैपुकेः नामितुतः अरुततः विकुरदः जहा
 सुगोमेरिः सुनेजहा सुनेमेरिः हथपकदाभिकेदारिः सुवा
 मलाउथाद्वैसारि जागजागवापविरः हनुमंअष्टकु
 लिनागकाविसुभस्मत्तकर ॥ धा १ थोमं न देलजपल
 पंविद्यासुसकयकेः येसहायः

उँवासुकिटत्तरः गहृदरुलारासिः सिधिमंधलासिधि ॥ ॥
 धा १ वाजपात विद्यासुसकयकेः रिकायः ॥ उँविमवान
 निः विसेनासनिः उँगहृदेवर्जगहृदेहं स्वाहा ॥ थोमं न न्या
 प्रकुसलाहातिने ॥ उँवर्जगहृदेहं हं हं हं वंदो वंदो पूतस्वाहा
 धा ३ पुयहिदियः मंत्रा ॥ उँ श्रीसिधिरसोमानिः निरकोमारिः
 वज्रजोगिनिसंआग्या हं हं हं ॥ धा १ सिन्धजपावमिसातिकेः

१ ऊँ कामा देवाय नमः स्वाहा ॥ धा १ न सा वसुजया वनकेः मिजनजिवः
मिसाजिवः धववसांसवर्द्ध ॥ ॥ जैसधिरहआग्याः ॥ जैह्रींहींहीं
हींहींहींहीं ॥ १ पुण्या श्रीवन्धनाथाय नमः स्वाहा ॥ ॥ धा १ अ
क्षतजपलपंहेरेः मेवनदुषविलनावहेरेः वोसिधियम
व ॥ ॥ जैअमृतेभ्यो देवमृजे संनवाय कुरु स्वाहा ॥ धा १
मोरसप्रयः कोकायमत्रं ॥ ॥ जैनमश्रीगुरुभार्याः ॥ विंशंकिं२

हुं कि स्वाहा॥ धा१॥ तारं॥ जैनम्ः श्रीगुरु आर्याः॥ स्वस्वः स्वाहा।
धा२॥ तारं रिकायः॥ ॥ हुं ह्रीं हुं हुं हुं हुं नृसिंहनाथ सिंहः वे
तालानय हुं पूत स्वाहा॥ धा३॥ लाङ्कुपलपंचाल सनये
हि द्वियमत्रं॥ ॥ जैनम विटयोगिनः सर्ववानर सतभजायः
हुं ह्रीं हुं पूत स्वाहा॥ धा४॥ लंघज पलापंतोन्न केः थंका वया॥
१ जै हिपी स्वाहा॥ वालपूको या पहि द्वियः॥ ॥ ॥

थोजत्रकोपोलवसयापः सुसानयाकोय कायात्र हा गाल काया व
 अ  मसिसपुरे अरे थुने! वस्ये ॥ अम ॥ १ सिविगुह आमा य कलो
 अ हावाल अउर स्वपूहेन हे वस्ये वा नि का खेला ॥ वा १ न्या किलुठ
 अ ७ पेलांगु हा कामात्मः कुलागुमालः मंत्र या ना वपि प्पा य स मि स्या
 या लूया त लो सता ये मि सो पि प्पा य ॥ अम ॥ ७ अजा जिगु न कं तं कं
 नं सा हाः क्का स या लु प को ए हि हु क दं जे स सु या लू दो स ता थ

मार्त्तं या यः हू स थ्या थ्या य सारः ॥ वा १ ॥ अम ॥
 अं यथ ग्री हा हा ल न ज म मूर्य अ जी गाल मून मू स न्यः हा जी न
 द लाल क नै वि ध का विः ह नू मं ग क न रं र पं ग्री ग र आ ग्य ॥ वा १ ॥
 पालू स पू या ज न कः दु द द य कः दु द लि का य गः वि स पू या जः ध ल
 प न हा क का जः क यः वि ना या ज आ नि अ ल ड दु स न आ निः सा
 वि क यं जि आः प वं दा यं जि आः प्पा थ सा क या जि आः अर ॥ ॥

मार्त्तं या यः
 अं यथ
 पालू स
 प न हा
 वि क यं

20

15

10

5

0

अमलपुत्रः अमलागपुत्रः ॥ कलास्याकया ॥ अमलाक

किं

ॐ हूं माहं दंडधियायलं काकातिगं सिदाहः यहागानपदत्रामलकुमनवाचाः
तिसिगाकिवाचाः सिम्यादुम्यावाचाः धीहिं किवाचाः यहागाचुष्टिगावानि
पगाउयाहूं हूं ॥ अमलाययागला ॥ ॥ हूं ॥ अतिहनुमं यं अका
लाप्रकाहनीगं सिदाहः यहागापलं काचंदसूर्यकादाहः तामलकिमन
कादाहः हिचिकादाहः धर्हिमागाकादाहः सिम्याहम्याकादाहः यहा
गापदपलं काकातिपत्रउपत्रजः ॥ अमलाययहूय ॥ ॥ अर ॥ ॥

बलियसाय हूं रुटसाहा ॥ धा १ कलास्याकया प्रम ॥
॥ उत्रगाय अलिनाय हूं रुटसाहा ॥ धा १ उत्रगाय कया प्रम ॥ ॥ ॥

CMS

5

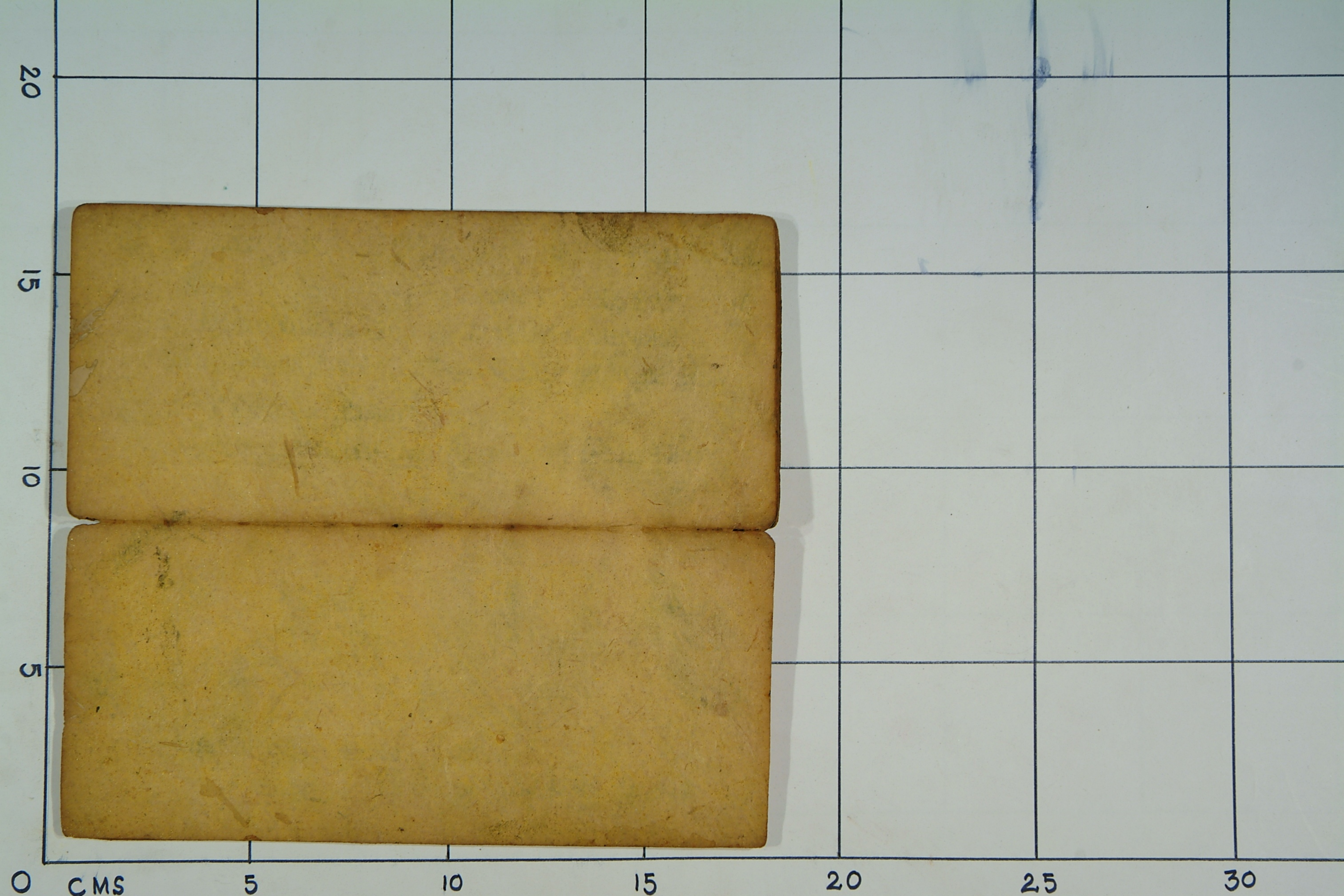
10

15

20

25

30



ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ सु ध व द ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ग्राभासा रे वा यममन साद्वै हूँ हूँ न स्वाहा : ध्यात २१